न्यूज डायरी

अमेरिका–यूरोप में गले पर दबाव बनाकर गिरफ्तारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ला पेक (फ्रांस)। अमेरिका में पुलिस हिरासत में लेने के दौरान अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की मौत से पूरा देश झुलस रहा है। अमेरिका के 140 से ज्यादा शहरों में कर्फ्यू लगाना पड़ा। वहीं अब ऐसा ही एक मामला फ्रांस में भी सामने आया है। यहां एक पुलिस अधिकारी ने संदिग्ध अश्वेत व्यक्ति को पकड़ने के लिए उसके गले पर दबाव बनाया। इस घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह मामला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के मिनिपोलिस में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की इसी तरह गले पर दबाव बनाने से मौत हो गई थी। इससे पुलिस की इस तकनीक पर दुनियाभर में सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका और यूरोप के कई देशों की पुलिस संदिग्धों को पकड़ने के लिए उनकी गर्दन पर घुटनों का इस्तेमाल करके उन्हें निष्क्रिय करने की तकनीक इस्तेमाल करती है।

अमेरिकी समाज के संस्थागत नस्लवाद को खत्म करने की जरुरत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष मानवाधिकार अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड की हिरासत में हत्या की घटना ने अश्वेत लोगों के खिलाफ ''पुलिस हिंसा'' को उजागर किया है, जिसके विरोध में पूरे अमेरिका में जगह–जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी समाज को भयभीत करने वाले स्थानिक और संस्थागत नस्लवाद को खत्म करने की जरूरत है, उनकी आवाज को सुनी जानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बेशलेत ने बुधवार को कहा कि 46 वर्षीय अफ्रीकी–अमेरिकी फ्लॉयड की हत्या के बाद अमेरिका के सैकड़ों शहरों में फैले विरोध प्रदर्शनों की आवाज सुनी जानी चाहिए और उनकी समस्याओं को हल करने की जरुरत है अगर अमेरिका नस्लवाद और हिंसा के अपने दुखद इतिहास से आगे बढ़ना चाहता है। बेशलेत ने कहा, ''निहत्थे अफ्रीकी अमेरिकियों की हत्याओं को खत्म करने के लिए आवाज बुलंद करने की जरूरत है।

आंखों के जरिए भी फैल सकता है कोरोना वायरस, रिसर्च में खुलासा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस के बारे में अभी तक हमें मालूम है कि यह नाक और मुंह के जरिए फैलता है लेकिन अब डॉक्टरों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि यह आंखों से भी फैल सकता है। हालांकि कानों के जरिए इसके फैलने की आशंका से इनकार कर दिया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर कोई संक्रमित व्यक्ति बहुत नजदीक होकर खांसता या छींकता है तो नाक और मुंह के के साथ आंखों के जरिए भी संक्रमण शरीर में प्रवेश कर सकता है। वायरस के संपर्क में आए हाथों से आंखों को छूने से संक्रमण के फैलने की आशंका है। साथ ही, किसी संक्रमित व्यक्ति के आंसुओं से भी इस संक्रामक रोग की चपेट में आने का खतरा है। बार–बार हाथ धोने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और बाहर निकलने पर चेहरे को ढकने से इस वायरस को फैलने से रोका जा सकता है।

ब्राजील में कोरोना वायरस से भयावह हुए हालात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रासीलिया। ब्राजील में कोरोना वायरस से हालात बेहद भयावह होते जा रहे हैं। ब्राजील में मंगलवार को मरने वालों की संख्या 30 हजार के आंकड़े को पार कर गई। पिछले में 24 घंटे में ही ब्राजील में 1262 लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा आंकड़ों में कहा गया है कि कोरोना वायरस से संक्रमण के 28,936 नए मामले सामने आए हैं। ब्राजील अब दुनिया में कोरोना वायरस का दूसरा सबसे बड़ा गढ़ बन चुका है। ब्राजील में अब अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा कोरोना वायरस के मामले (555,383) हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी मौतों का आधिकारिक आंकड़ा 31,199 पहुंच गया। अमेरिका, ब्रिटेन और इटली के बाद ब्राजील में सबसे ज्यादा लोगों की कोरोना वायरस से मौत हुई है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ब्राजील में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 15 गुना ज्यादा है।

पाकिस्तान सरकार का जुगाड़ टिड्डी बेचो, पैसा कमाओ...

पूरे पाक में लागू होगी टिड्डियों को पकड़ने की योजना

योजना

■इमरान खान ने कहा– इससे गरीब किसानों को होगी ज्यादा आमदनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। टिड्डियों के हमले से न केवल पाकिस्तान बल्कि भारत के भी कई राज्य जूझ रहे हैं। हाल में ही पाकिस्तान से भारत में दाखिल हुए टिड्डियों ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में खड़ी फसलों को अपना निशाना बनाया है। एक तरफ इन छोड़े कीड़ों के हमले से किसान परेशान हैं वहीं, पाकिस्तानी सरकार ने इससे कमाने का नया जुगाड़ खोज लिया है। सरकार ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि वे टिड्डियों को पकड़कर उन्हें सौंपे जिसका इस्तेमाल मुर्गियों के दानों के रूप में किया जाएगा।

प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि वह टिड्डियों को पकड़ने के लिए एक पायलट परियोजना का देशभर में विस्तार करना चाहते हैं। इसमें किसानों को टिड्डियों के बदले पैसे

दिए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि इस योजना से देश के कुछ सबसे गरीब हिस्सों में किसानों को बहुत अधिक आमदनी होगी। पकड़े गए टिड्डियों से पोल्टी फार्म के लिए प्रोटीन युक्त चारा बनाया जाएगा।

किसानों को 20 रुपये प्रति किलो का भुगतानः पाकिस्तान के सूचना मंत्री शिबली फराज ने कहा कि उन्होंने खाने के संकट से जूझ रही आबादी को टिड्डियों को पकड़कर बेचने की योजना को लागू किया। इस योजना को पहले पायलट प्रोजक्ट के तौर पर पंजाब प्रांत के ओकरा में लागू किया गया। जहां किसानों को 20 रुपये प्रति किलो का भुगतान किया गया।

बता दें कि पाकिस्तान को इन टिड्डियों से भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा इनके हमलों से पूर्वी अफ्रीका और दक्षिण एशिया के कई देशों में हजारों हेक्टेयर फसलें बर्बाद हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि टिड्डियों का नया दल ईरान और पश्चिम अफ्रीका में स्थित देशों पर हमला कर सकता है। टिड्डी जब एक समूह में होते हैं तो उनका व्यवहार बदल जाता है। एक घंटे में टिड्डी दल 16–19 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। हवा साथ दे तो और दूर भी जा सकते हैं। एक एडल्ट टिड्डी अपने वजन (2 ग्राम) के बराबर रोज खा सकती है। एक किलोमीटर के टिड्डी दल में करीब 4 करोड़ टिड्डियां होती हैं। वो एक दिन में उतना खा सकती हैं जिनता 35 हजार लोग एक दिन में खाएंगे।

क्यों होता है टिड्डियों का हमला? टिड्डी दल ओमान के रेगिस्तानों में भारी बारिश के बाद तैयार होते हैं। हिंद महासागर में भी साइक्लोन आने से रेगिस्तान में बारिश होने लगी है, इस वजह से भी टिड्डियां पैदा होती हैं। भारत में अप्रैल महीने के बीच टिड्डियों ने राजस्थान में एंट्री की थी। तब से वे पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र तक फैल चुकी हैं।

कब्जा करने की फिराक में लद्दाख में दो किमी पीछे हटा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख में भारतीय सरजमीं पर कब्जा करने की फिराक में लगे चीन को अपने कदम पीछे हटाने पड़े हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हजारों सैनिकों की तैनाती के बाद अपने मंसूबों में कामयाबी नहीं मिलने के बाद चीनी ड्रैगन करीब दो किलोमीटर पीछे हट गया है। यही नहीं अब तक आक्रामक रुख अख्तियार करने वाली चीनी सेना तीन–चार दिनों से शांत है। आइए जानते हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि चीनी ड्रैगन पीछे हटने को मजबूर हुआ.अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ कमर आगा ने कहा कि लद्दाख समेत भारतीय सीमा के सभी प्रमुख स्थानों

चीन के साथ सख्त रवैया अपनाना ही सही

पर चीन इंच–इंच आगे बढ़ने की रणनीति पर काम कर रहा है। चीन की ताजा हरकत भी इसी से जुड़ी हुई है। डोकलाम की तरह से इस बार भी चीन को उम्मीद थी कि वह भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

कमर आगा ने कहा कि चीन के अपने कदम वापस खींचने के पीछे तीन प्रमुख वजहें हैं। लद्दाख में पिछले महीने की 5 तारीख को और फिर सिक्किम में चार दिन बाद 9 तारीख को चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई।

पाकिस्तान में नेवल बेस की तैयारी में चीन?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लायड की मौत के बाद प्रदर्शन कर रहे कुछ लोगों ने राजधानी वॉशिंगटन डीसी में महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया। BlackLivesMatter के समर्थक वॉशिंगटन में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी दौरान कुछ शरारती तत्वों ने बापू की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया। सूत्रों के मुताबिक वॉशिंगटन की पुलिस ने दोषी व्यक्तियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। इस पूरी घटना पर भारत में अमेरिका के राजदूत ने दुख जताया है और माफी मांगी है। उधर, अमेरिका में जॉर्ज फ्लायड की मौत के विरोध में प्रदर्शन जारी है।

चीन पर पड़ेगी दोहरी मार, ड्रैगन को काबू करने को साथ आए भारत और ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ऑस्ट्रलिया। कहते हैं कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त होता है। भारत और ऑस्ट्रलिया के रिश्ते में यही कहावत चरितार्थ होने जा रही है। कोरोना वायरस महासंकट का फायदा उठाकर चीनी ड्रैगन ने फुफकारना शुरू किया तो हिंद महासागर में दो पड़ोसी देश भारत और ऑस्ट्रेलिया अब साथ आते दिख रहे हैं। कोरोना संकट के बीच आज भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बेहद अहम वर्चुअल शिखर बैठक शुरू हो गई है।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी आज पहली वर्चुअल शिखर बैठक शुरू हो गई है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा

भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंध दुनिया के लिए जरूरीः मोदी

कि भारत ऑस्ट्रेलिया के साथ अपने सम्बन्धों को व्यापक तौर पर और तेज गति से बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी और मॉरिसन एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं जिसके तहत दोनों देश एक दूसरे के सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से ग्रुप–7 देशों की जगह पर नया वैश्विक मंच बनाने के प्रस्ताव पर भी बात होने की संभावना है। ट्रंप ने इस बारे में पीएम मोदी से बात करके नए मंच में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया और दो और देशों को शामिल करने का प्रस्ताव किया है।

कोरोना वायरस महामारी के बीच चीन अपनी विस्तारवादी मानसिकता के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों को ही घेरने में जुट गया है। एक तरफ चीन भारत के लद्दाख से लेकर सिक्किम तक घुसपैठ की हरकतों को अंजाम दे रहा है, वहीं ऑस्ट्रेलिया को लेकर भी उसकी यही रणनीति है। लद्दाख के गलवान इलाके में चीन ने अपने 5 हजार से ज्यादा सैनिकों को भारतीय जमीन कब्जा करने के लिए तैनात कर रखा है।

दुनिया के सबसे बड़े रेडियो टेलिस्कोप से चीन ढूंढेगा दूसरे ग्रहों पर जीवन!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। धरती पर सत्ता कायम करने की चाहत के साथ–साथ चीन अब यूनिवर्स पर भी नजर रख रहा है। दुनिया के सबसे बड़े सिंगल–अपर्चर टेलिस्कोप से चीन ने तैयारी कर लिया है दूसरी दुनिया में एलियन ग्रहों को खोजने की। 500 मीटर का Aperture Spherical Telescope पहले के रेडियो टेलिस्कोप्स से दोगुने एरिया को कवर कर सकेगा और इसकी रीडिंग 3–5 गुना ज्यादा सटीक होगी।

यह टेलिस्कोप जनवरी से काम कर रहा है लेकिन इसकी टीम का मानना है कि अभी भी कुछ रेडियो इंटरफेरेंस है जिसे हटाया जा सकता है। पेइचिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी के ऐस्ट्रोनॉमर झांग तोंगजी इस प्रॉजेक्ट के चीफ साइंटिस्ट हैं। उन्होंने बताया है कि ऐसे कई सिग्नल मिले हैं जिनका संकेत दूसरी दुनिया में जीवन की ओर हो सकता है और टीम इसकी जांच करने के लिए एक्साइटेड है। 16,000 फुट के इस टेलिस्कोप को 1994 में प्रस्तावित किया गया था और आखिरकार 2007 में मंजूरी मिल सकी। इसमें 36 फुट के 4,500 तिकोने पैनल हैं जो एक डिश का आकार लेते हैं।